भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये रु.10

भारत

सत्यमेव जयते

INDIA

TEN RUPEES Rs.10

INDIA NON JU

प्रमाणित · अहसान अधिकारी

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

38AE 002270

ATTESTED
Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

प्रतीक कुमार पुत्र श्री रवीन्द्र नाथ ~~महरूम~~ निवासी 508/48, न्यू हैदराबाद, लखनऊ

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No. 91 (67) 2000
NOTARIAL NOTARIAL
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No. 91 (67) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

6/11/2020
Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

(Enclosed)

प्ररूप 26
(नियम 4क देखिए)

लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन–
क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)
लखनऊ खण्ड स्नातक (सदन का नाम) के
निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम–निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग–क

मैं, मनीष कुमार **पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री रवीन्द्र नाथ महराज आयु 42 वर्ष, जो 5 0 B 1 4 0 न्यू हैदराबाद लखनऊ (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं :–

(1) मैं भारतीय जन जन पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी /**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम लखनऊ खण्ड स्नातक ('निर्वाचन–क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग संख्या 47 के कम संख्या 372 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा/मेरे 9335222547 संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और mmmanish547 @ gmail मेरी ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(i) शून्य
(ii) शून्य
(iii) शून्य

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv & NOTARY LUCKNOW Reg. No. 37(67)2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

(4) स्थायी खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम सं.	नाम	पीएएन (स्थायी खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आय–कर विवरणी में दर्शित कुल आय (रूपये में)
1.	स्वयं	APJPK 36064	शून्य	(i) 314856/- (2019-20.. (ii) 296157/- (2018-2.. (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
2.	पति/पत्नी	BJUPM 0713N	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
3	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
4	आश्रित–1	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
5.	आश्रित–2	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य
6.	आश्रित–3	शून्य	शून्य	(i) शून्य (ii) शून्य (iii) शून्य (iv) शून्य (v) शून्य

टिप्पण: स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No 31 (67) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरूद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं:

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामले लंबित है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों के ब्यौरें दें)

सारणी

(क)	संबध्द पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट संख्या	[illegible]	110/13 358/06	66 IT [illegible] 313 IPC
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला संख्या	[illegible]	[illegible]	/
(ग)	अंतर्वलित संबध्द अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....................)	66 IT Act 147 3[illegible] IPC	शून्य	शून्य
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	[illegible]	[illegible]	[illegible]
(ड.)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	शून्य	शून्य
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ड.) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे।	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुध्द कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	शून्य	शून्य

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No. 31 (67) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

(6) दोषसिध्दि के मामले,–

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिध्द नहीं किया गया है।

(यदि अभ्यर्थी के दोषसिध्द नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) **मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिध्द किया गया है:**

(यदि अभ्यर्थी के दोषसिध्द किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	२-५	२-५	२-५
(ख)	न्यायालय का नाम	२-५	२-५	२-५
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)	२-५	२-५	२-५
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिध्द किया गया है	२-५	२-५	२-५
(ड.)	दोषसिध्द के आदेशों की तारीखें	२-५	२-५	२-५
(च)	अधिरोपित दंड	२-५	२-५	२-५
(छ)	क्या दोषसिध्द के आदेश के विरुध्द कोई अपील फाईल की गई है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	२-५	२-५	२-५
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	२-५	२-५	२-५

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुध्द सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोषसिध्दि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए]

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किए जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के मामले विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv. & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No. 31 (67) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती हैं।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनायें देने का उत्तरदायी होगा"।

(7) यह कि मैं, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ:

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – जमा/विनिधान की दिशा में क्रम संख्या रकम जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 – सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 – "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता–पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है (हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं है और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।

टिप्पण 5 – प्रत्येक विनिधान के संबंध में रकम सहित ब्यौरे अलग–अलग रुप में दे जाने हैं।

टिप्पण 6 – ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण: इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं:

क.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	10,000	5000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	6,71,000 1,69,000	5000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv. & NOTARY LUCKNOW Reg. No 31 (67) 2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sunil Kumar Srivastava Adv. & NOTARY LUCKNOW U.P. INDIA

(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटर वाहन/वायुयान/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	[illegible]	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	10gm	150,000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	1,10000	160000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस संरुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 – ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

क.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	है	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	शून्य	1 बिघा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	25/4/2019	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	250000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	250000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर–कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv & NOTARY LUCKNOW Reg. No 31 (67) 2009 GOVT. OF U.P. LUCKNOW

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख 29-6-20						
	क्रय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	179,000					
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य						
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) –अवस्थिति (अवस्थितियां) –सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	179,000					
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) –अवस्थिति (अवस्थितियां) –सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान मूल्य						
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)						
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल वर्तमान						

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv. & NOTARY LUCKNOW Reg. No 31 (67) 2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देयताओं/देय राशि के ब्यौरे नीचे देता हूं :– (टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग–अलग विवरण दें)

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या देय राशि बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या देय राशि नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य देयता	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	देयताओं का सकल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से संबंधित विभागों को शोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में है? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थात्:– (i) सरकारी आवास का पता: ....शून्य........ ....शून्य........ ....शून्य........ (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोद्य संदेय नहीं है:– (क) भाटक ; (ख) विद्युत प्रभार ; (ग) जल प्रभार ; और (घ) ....(तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए] टिप्पण–उपरोक्त सरकार आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।					हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं)

NOTARY
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv & NOTARY
LUCKNOW
Regd. No 31(67)2000

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी है)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(v)	जीएसटी शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति पर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	सभी सरकारी शोध्य का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त है, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्रधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।"–	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति गा उफजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ..... प्रा. कार्य .....

(ख) पति या पत्नी ..... गृहिणी .....

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे :

(क) स्वयं ..... प्रा. कार्य .....

(ख) पति या पत्नी ..... गृहिणी .....

(ग) आश्रित के आय के स्रोत, यदि कोई हों..... शून्य .....

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए–

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

(ग) आश्रित द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबध्द है, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv. & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No 31 (67) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

8/11/20
Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
LUCKNOW U.P. INDIA

(ड़) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार है............शून्य............

(च) प्राइवेट कंपनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं............शून्य............

(10) **मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:–**

............स्नातक............।"।

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) मे तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम		श्री/श्रीमती/कु. मनीष कुमार	
2	डाक का पूरा पता		508/48 न्यू हैदराबाद GAB	
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य		173 लखनऊ पूर्व उ०प्र० राज्य	
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)		भारतीय जनता पार्टी	
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या		2 (दो)	
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिध्द ठहराया गया है।		शून्य	
7.		स्थायी लेखा संख्या (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	APJPK3606H	2019-2020	314890
	(ख) पति या पत्नी	BJUPM0713N	शून्य	शून्य
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	शून्य	शून्य	शून्य
	(घ) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8.	आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रूपयों में ब्यौरे						
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क.	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv. & NOTARY LUCKNOW Reg. No. 31(67)2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sunil Kumar Srivastava Adv. & NOTARY LUCKNOW U.P. INDIA

ख		स्थावर आस्तियां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	i	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ii	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	iii	निम्नलिखित का अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य– (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9		देयताएं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	i	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10		ऐसे देयताएं जो विवादाधीन हैं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	j	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11		उच्चतम शैक्षणिक अर्हता: (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण रुप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)						

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या देयता से भिन्न कोई आस्ति या देयता नहीं है।

आज तारीख 11-11-2026 को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv. & NOTARY LUCKNOW Reg. No 31 (67) 2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sworn & Verified before me

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P INDIA

I identify the deponent who has signed before me

टिप्पण:1 शपथपत्र नाम–निर्देशन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन अपराह्न 3:00 बजे तक दाखिल कर दिया जाना चाहिए।

टिप्पण:2 शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण:3 सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में उपलब्ध करने के लिए कोई सूचना नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण:4 शपथपत्र या तो टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ–साफ लिखा होना चाहिए।

टिप्पण:5 शपथपत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथपत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथपत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।

(विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं. एच–11019/04/2018–विधि–II दिनांक 10.10.2018 और संख्या एच–11019/13/2016–विधायी 2 दिनांक 26.02.2019)